भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3774
11 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादन पर पश्चिम एशिया संघर्ष का प्रभाव

3774**. श्री के. सी. वेणुगोपालः**

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उत्पादन में कटौती, संयंत्र के बंद होने, ईंधन की कमी या इनपुट-लागत में वृद्धि की सूचना देने वाले इस्पात संयंत्रों या इकाइयों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और कंपनी-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान इस्पात क्षेत्र द्वारा आयातित कोकिंग कोल, स्क्रैप, एलपीजी, एलएनजी, लौह अयस्क और पेलेट्स की मात्रा और मूल्य का देश-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को इस अवधि के दौरान बोझ को कम करने के लिए राहत या हस्तक्षेप की मांग करते हुए इस्पात उत्पादकों से अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं; और

(घ) देश में इस्पात उत्पादकों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) से (घ): सरकार ने ईंधन की कमी, इनपुट और लॉजिस्टिक्स लागतों में वृद्धि, प्रमुख कच्चे माल की उपलब्धता और आपूर्ति श्रृंखला संबंधी बाधाओं से जुड़े सरोकारों को दूर करने के लिए सक्रिय उपाय किए हैं। मई, 2026 के दौरान, भारत के इस्पात उत्पादन में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें क्रूड स्टील उत्पादन में अप्रैल, 2026 की तुलना में 0.8% और मई 2025 की तुलना में 1.4% की वृद्धि हुई, जबकि तैयार इस्पात उत्पादन में क्रमश: 2.2% और 5.9% की वृद्धि हुई। पिछले तीन वर्षों के दौरान, कोकिंग कोल का आयात 58 एमटी से बढ़कर 66 एमटी हो गया, फेरस स्क्रैप का आयात 9.5 एमटी से घटकर 7.7 एमटी हो गया, जबकि पेलेट्स सहित लौह अयस्क का आयात 4.9 एमटी से बढ़कर 12.2 एमटी हो गया।

*****